नवरात्रि कलश स्थापना विधि

Download All Type PDF: https://pdfseva.com/

|| घटस्थापना पूजा विधि ||

- सर्वप्रथम मिट्टी का एक छोड़ा बर्तन लें उसमें मिट्टी भरकर उसके ऊपर जौ के दाने बिखेरें तथा उसके ऊपर मिट्टी की एक पतली परत डालें। बाद में थोड़ा सा पानी डालें।

- अब एक कलश को गले तक शुद्ध जल से भरें तथा उसके बाहर कलश के गले पर एक कलावा बांधें। इस जल में इत्र, सुपारी, दूर्वा घास, अक्षत तथा कुछ सिक्के डालें।

- कलश के मुख पर अशोक के पाँच पत्ते रखकर उसे एक मिट्टी के बड़े दिये से ढक दें।

- अब एक बिना छीले नारियल को लाल कपड़े में लपेटें तथा उसके ऊपर से कलावा लपेट दें।

- अब जिस कलश में जल भरा हुआ है उसके ऊपर इस नारियल को रख दें। तथा उस कलश को मिट्टी से भरे उस चौड़े बर्तन में बाहर दें जिसमें जौ बोये थे।

- अब देवी दुर्गा से का ध्यान करते हुए आवाहन करें तथा उनसे बोलें कि देवी जी नौ दिनों के लिए इस कलश में निवास करें।

- आवाहन के बाद कलश की देशी घी के दीपक से आरती करें।

- आरती के पश्चात कलश को धुप अर्पित करें।

- अब पुष्प व सुगंध आदि कलश पर चढ़ाएं।

- तदोपरांत नैवेद्य के रूप में मिष्ठान व फल अर्पित करें।

- अब स्थापना संपन्न हुई अंत में देवी जी का आशीर्वाद ग्रहण करें।

****

Download All Type PDF: https://pdfseva.com/